

Set No. 1

18P/253/24

00022

Total No. of Printed Pages : 24

Question Booklet No.

(To be filled up by the candidate by blue/black ball-point pen)

Roll No.

--	--	--	--	--	--	--	--	--	--

Roll No. (Write the digits in words)

2018

Serial No. of OMR Answer Sheet

Centre Code No.

--	--	--	--

Day and Date

(Signature of Invigilator)

INSTRUCTIONS TO CANDIDATES

(Use only **blue/black ball-point pen** in the space above and on both sides of the **Answer Sheet**)

1. Within 30 minutes of the issue of the Question Booklet, check the Question Booklet to ensure that it contains all the pages in correct sequence and that no page/question is missing. In case of faulty Question Booklet bring it to the notice of the Superintendent/Invigilator immediately to obtain a fresh Question Booklet.
2. Do not bring any loose paper, written or blank, inside the Examination Hall *except the Admit Card*.
3. *A separate OMR Answer Sheet is given. It should not be folded or mutilated. A second OMR Answer Sheet shall not be provided. Only the OMR Answer Sheet will be evaluated.*
4. Write all entries by blue/black pen in the space provided above.
5. *On the front page of the OMR Answer Sheet, write by pen your Roll Number in the space provided at the top and by darkening the circles at the bottom. Also, write the Question Booklet Number, Centre code Number and the Set Number wherever applicable in appropriate places.*
6. *No overwriting is allowed in the entries of Roll No., Question Booklet no. and Set no. (if any) on OMR Answer Sheet and Roll No. and OMR Answer Sheet no. on the Question Booklet.*
7. *Any change in the aforesaid entries is to be verified by the invigilator, otherwise it will be taken as unfair means.*
8. *Each question in this Booklet is followed by four alternative answers. For each question, you are to record the correct option on the OMR Answer Sheet by darkening the appropriate circle in the corresponding row of the OMR Answer Sheet, by pen as mentioned in the guidelines given on the first page of the OMR Answer Sheet.*
9. For each question, darken only one circle on the OMR Answer Sheet. If you darken more than one circle or darken a circle partially, the answer will be treated as incorrect.
10. *Note that the answer once filled in ink cannot be changed. If you do not wish to attempt a question, leave all the circles in the corresponding row blank (such question will be awarded zero marks).*
11. For rough work, use the inner back page of the title cover and the blank page at the end of this Booklet.
12. On completion of the Test, the candidate must handover the OMR Answer Sheet to the Invigilator in the examination room/hall. However, candidates are allowed to take away Test Booklet and copy of OMR Answer Sheet with them.
13. Candidates are not permitted to leave the Examination Hall until the end of the Test.
14. If a candidate attempts to use any form of unfair means, he/she shall be liable to such punishment as the University may determine and impose on him/her.

18P/253/24

ROUGH WORK
रफ़ कार्य

18P/253/24

No. of Questions : 120

प्रश्नों की संख्या : 120

Time : 2 Hours

Full Marks : 360

समय : 2 घण्टे

पूर्णाङ्क : 360

Note : (1) Attempt as many questions as you can. Each question carries **3 (Three)** marks. **One mark will be deducted for each incorrect answer. Zero** mark will be awarded for each unattempted question.

अधिकाधिक प्रश्नों को हल करने का प्रयत्न करें। प्रत्येक प्रश्न **3 (तीन)** अंकों का है। प्रत्येक गलत उत्तर के लिए एक अंक काटा जायेगा। प्रत्येक अनुत्तरित प्रश्न का प्राप्तांक शून्य होगा।

(2) If more than one alternative answers seem to be approximate to the correct answer, choose the closest one.

यदि एकाधिक वैकल्पिक उत्तर सही उत्तर के निकट प्रतीत हों, तो निकटतम सही उत्तर दें।

01. भारतीय ज्योतिषशास्त्रम् वेदस्य अङ्गम् अस्ति :

- | | |
|------------|---------------|
| (1) मुखम् | (2) नेत्रम् |
| (3) नासिका | (4) श्रोत्रम् |

02. सौरमासस्य आरम्भः भवति :

- | | |
|-------------------|------------------|
| (1) सङ्क्रान्त्रा | (2) चैत्रात् |
| (3) उत्तरायणात् | (4) दक्षिणायनात् |

18P/253/24

03. दक्षिणायनम् भवति :

- | | |
|---------------|--------------|
| (1) कर्कादितः | (2) मकरादितः |
| (3) मेषादितः | (4) तुलातः |

04. उत्तरगोलः भवति :

- | | |
|------------------------|------------------------|
| (1) मकरात् कर्कं यावत् | (2) कर्कात् मकरं यावत् |
| (3) मेषात् कन्यान्तम् | (4) तुलातः मीनान्तरम् |

05. ऋतवः भवन्ति :

- | | |
|----------|---------|
| (1) पञ्च | (2) षट् |
| (3) सप्त | (4) नव |

06. होलिका भवति :

- | | |
|------------|--------------|
| (1) चैत्रे | (2) कार्तिके |
| (3) माघे | (4) फाल्गुने |

07. देवप्रबोधिनी एकादशी भवति :

- | | |
|--------------|------------|
| (1) माघे | (2) चैत्रे |
| (3) कार्तिके | (4) आषाढे |

08. चैत्रादि मासेषु आश्विनः कतमः

- | | |
|------------|------------|
| (1) प्रथमः | (2) पञ्चमः |
| (3) सप्तमः | (4) दशमः |

09. सप्तविंशतिनक्षत्रेषु उत्तराभाद्रपदा भवति :

- | | |
|-----------|--------------|
| (1) दशमः | (2) पञ्चदशः |
| (3) विंशः | (4) षड्विंशः |

10. सप्तविंशतियोगेषु वैधृतिः भवति :

- | | |
|------------|--------------|
| (1) पञ्चमः | (2) सप्तविंश |
| (3) विंशः | (4) दशमः |

11. चरकरणेषु विष्टिः भवति :

- | | |
|--------------|------------|
| (1) पञ्चमः | (2) सप्तमः |
| (3) द्वितीयः | (4) षष्ठः |

12. स्थिरकरणेषु नागः भवति :

- | | |
|-------------|--------------|
| (1) तृतीयः | (2) द्वितीयः |
| (3) चतुर्थः | (4) प्रथमः |

13. नन्दा तिथयः भवन्ति :

- | | |
|----------------|-----------------|
| (1) 1 - 6 - 11 | (2) 2 - 7 - 12 |
| (3) 4 - 9 - 14 | (4) 5 - 10 - 15 |

14. दिनरात्रिमाने समाने भवतः

- | | |
|----------------|----------------|
| (1) सायनमेषादौ | (2) सायनमकरादौ |
| (3) सायनतुलादौ | (4) सायनमीनादौ |

18P/253/24

15. सर्वतः उपरि कथा वर्तते :

- | | |
|--------------|---------------|
| (1) सूर्यस्य | (2) चन्द्रस्य |
| (3) गुरोः | (4) शनेः |

16. मघानक्षत्रम् अस्ति :

- | | |
|-----------|--------------|
| (1) कर्के | (2) सिंहे |
| (3) मीने | (4) वृश्चिके |

17. आश्लेषान्तम् भवति :

- | | |
|-----------|-----------|
| (1) धनुः | (2) सिंहः |
| (3) कर्कः | (4) तुला |

18. राशिसन्धिः (गण्डान्तः) भवति :

- | | |
|------------|--------------|
| (1) मेषादौ | (2) तुलादौ |
| (3) मकरादौ | (4) मिथुनादौ |

19. चरराशिः भवति:

- | | |
|--------------|-------------|
| (1) वृषः | (2) मिथुनम् |
| (3) वृश्चिकः | (4) मकरः |

20. द्विस्वभावरशिः भवति:

- | | |
|----------|----------|
| (1) मेषः | (2) कर्क |
| (3) मकरः | (4) मीनः |

ग्रहः भवति :

- गुरुः (2) शुक्रः
शनिः (4) चन्द्रः

त्वांशमानम् भवति :

- 400 कलाः (2) 800 कलाः
200 कलाः (4) 2000 कलाः

होरा भवति :

- 20 अंशाः (2) 15 अंशाः
30 अंशाः (4) 45 अंशाः

राशौ द्रेष्काणाः भवन्ति :

- पञ्च (2) द्वौ
षट् (4) त्रयम्

गृहप्रथमा होरा भवति :

- शशिनः (2) रवेः
भौमस्य (4) गुरोः

राशौ द्वितीयः द्रेष्काणः भवति :

- सूर्यस्य (2) भौमस्य
गुरोः (4) शनेः

18P/253/24

27. मीनराशौ प्रथमः नवांशपतिः भवति :
- | | |
|------------|-------------|
| (1) गुरुः | (2) चन्द्रः |
| (3) सूर्यः | (4) बुधः |
28. एकद्वादशांशमानम् भवति :
- | | |
|--------------|--------------|
| (1) 2° - 30' | (2) 4° - 50' |
| (3) 5° - 10' | (4) 6° - 10' |
29. त्रिकोणस्थानम् भवति :
- | | |
|---------------|--------------|
| (1) चतुर्थम् | (2) पञ्चमम् |
| (3) द्वितीयम् | (4) द्वादशम् |
30. कलत्रस्थानम् भवति :
- | | |
|-------------|--------------|
| (1) सप्तमम् | (2) चतुर्थम् |
| (3) प्रथमम् | (4) दशमम् |
31. केन्द्रस्थानम् भवति :
- | | |
|-------------|-----------|
| (1) तृतीयम् | (2) नवमम् |
| (3) पञ्चमम् | (4) दशमम् |
32. कर्मस्थानम् भवति :
- | | |
|--------------|-------------|
| (1) नवमम् | (2) दशमम् |
| (3) चतुर्थम् | (4) अष्टमम् |
33. आयुः स्थानम् भवति :
- | | |
|-------------|---------------|
| (1) अष्टमम् | (2) द्वितीयम् |
| (3) सप्तमम् | (4) षष्ठम् |

34. गारुडस्थानम् भवति :

- | | |
|-------------|--------------|
| (1) एकादशम् | (2) द्वादशम् |
| (3) दशमम् | (4) सप्तमम् |

35. सूर्यस्य मित्रम् भवति :

- | | |
|-----------|------------|
| (1) शनिः | (2) शुक्रः |
| (3) राहुः | (4) गुरुः |

36. शनेः शत्रुः भवति :

- | | |
|-----------|------------|
| (1) गुरुः | (2) सूर्यः |
| (3) केतुः | (4) बुधः |

37. चन्द्रस्य समः भवति :

- | | |
|-----------|------------|
| (1) राहुः | (2) केतुः |
| (3) गुरुः | (4) सूर्यः |

38. "राम" शब्देन कति अङ्का गृह्यन्ते -

- | | |
|----------|------------|
| (1) पञ्च | (2) त्रयम् |
| (3) सप्त | (4) नव |

39. "भू" शब्देन कस्याङ्कस्य ग्रहणम् क्रियते :

- | | |
|-------------|---------------|
| (1) एकस्य | (2) एकादशस्य |
| (3) विंशतेः | (4) द्वादशस्य |

40. 'वसु' शब्देन कियन्तः अङ्का ज्ञायन्ते :

- | | |
|----------|----------|
| (1) नव | (2) अष्ट |
| (3) पञ्च | (4) द्वौ |

18P/253/24

41. शनेः उच्चम् भवति :

- | | |
|-----------|----------|
| (1) मेषः | (2) मकरः |
| (3) कुंभः | (4) तुला |

42. सूर्यस्य नीचम् भवति :

- | | |
|------------|----------|
| (1) तुला | (2) मेषः |
| (3) सिंहम् | (4) धनुः |

43. गुरोः स्वगृहम् भवति :

- | | |
|-----------|----------|
| (1) कर्कः | (2) धनुः |
| (3) मकरः | (4) वृषः |

44. बुधस्य मूलत्रिकोणम् भवति :

- | | |
|-----------|---------------|
| (1) कन्या | (2) मिथुनम् |
| (3) मीनम् | (4) वृश्चिकम् |

45. केन्द्रत्रिकोणाधिपयोरकेत्वे भवति :

- | | |
|-----------------|-----------------|
| (1) योगकारकः | (2) अरिष्टकारकः |
| (3) अरिभंगकारकः | (4) विद्याप्रदः |

46. आयपतिः भवति :

- | | |
|-----------------|-----------------|
| (1) पापफलप्रदः | (2) शुभफलप्रदः |
| (3) राजयोगप्रदः | (4) मृत्युप्रदः |

47. मारकेशः भवति :

- | | |
|----------------|--------------|
| (1) पञ्चमेशः | (2) लग्नेशः |
| (3) द्वितीयेशः | (4) अष्टमेशः |

48. शनेः दशामानम् भवति :

- | | |
|-----------------|-----------------------|
| (1) पञ्चवर्षाणि | (2) विंशतिवर्षाणि |
| (3) वर्षद्वयम् | (4) एकोनविंशतिवर्षाणि |

49. राहोः दशामानम् भवति :

- | | |
|--------------------|---------------------|
| (1) अष्टादशवर्षाणि | (2) त्रिंशत्वर्षाणि |
| (3) दशवर्षाणि | (4) पञ्चवर्षाणि |

50. चन्द्रदशायाम् चन्द्रान्तर्दशामानम् भवति :

- | | |
|---------------|----------------|
| (1) पञ्चमासाः | (2) दशमासाः |
| (3) सप्तमासाः | (4) षड् दिनानि |

51. 'उड्डायप्रदीप' नाम्ना को ग्रन्थः कथ्यते :

- | | |
|------------------|-------------------|
| (1) जातकालङ्कारः | (2) जातकपारिजातम् |
| (3) गोलपरिभाषा | (4) लघुपाराशरी |

52. जातकालङ्कार ग्रन्थस्य रचयिता कः

- | | |
|------------------|----------------|
| (1) गणेशदैवज्ञः | (2) वैद्यनाथः |
| (3) कल्याण वर्मा | (4) वराहमिहिरः |

53. ध्रुवात् नवत्यंशेन वृत्तम् भवति :
 (1) नाडीवृत्तम् (2) क्रान्तिवृत्तम्
 (3) समवृत्तम् (4) पूर्वापरम्
54. कदम्बात् नवत्यंशेन वृत्तम् भवति :
 (1) समवृत्तम् (2) क्रान्तिवृत्तम्
 (3) नाडीवृत्तम् (4) अहोरात्रवृत्तम्
55. विमण्डले भवृत्तस्य सम्पातः किमुच्यते :
 (1) क्रान्तिः (2) चरः
 (3) लग्नम् (4) पातः
56. कर्केऽर्के क्रान्तिः भवति :
 (1) दक्षिणा (2) पश्चिमा
 (3) पूर्वा (4) उत्तरा
57. मध्याह्ने सूर्यः भवति :
 (1) पूर्वक्षितिजे (2) पश्चिमे
 (3) खमध्ये (4) मेषे
58. दिनरात्रिमानम् असमानम् भवति :
 (1) निरक्षे (2) साक्षदेशे
 (3) मेषादौ (4) तुलादौ
59. “अष्टाद्वयोऽशाः” भवति :
 (1) चन्द्रमन्दोच्चम् (2) सूर्यमन्दोच्चम्
 (3) पातम् (4) क्षितिजम्

60. मेषराश्यन्ते ग्रहे भुजः भवति :

- | | |
|-----------------|-----------------|
| (1) षष्टि अंशाः | (2) त्रिंशदंशाः |
| (3) पञ्चराशिः | (4) राशित्रयम् |

61. ग्रहलाघवः अस्ति :

- | | |
|-----------------|----------------------|
| (1) जातकग्रन्थः | (2) प्रश्नग्रन्थः |
| (3) करणग्रन्थः | (4) सिद्धान्तग्रन्थः |

62. 'ईशहृत्' शब्दस्य कोऽर्थः

- | | |
|--------------|----------------|
| (1) दशभक्तः | (2) द्विगुणितः |
| (3) पञ्चानेः | (4) एकादशभक्तः |

63. चतुर्थलग्नम् भवति :

- | | |
|-------------|------------|
| (1) पूर्वे | (2) पाताले |
| (3) पश्चिमे | (4) खमध्ये |

64. पातालसंज्ञा कस्य भावस्य अस्ति :

- | | |
|-------------|---------------|
| (1) लग्नस्य | (2) चतुर्थस्य |
| (3) दशमस्य | (4) सप्तमस्य |

65. रामोऽवतारः अस्ति :

- | | |
|---------------|------------|
| (1) चन्द्रस्य | (2) भौमस्य |
| (3) सूर्यस्य | (4) शनेः |

66. नृसिंहावतारः अस्ति :
- | | |
|-----------------|-----------------|
| (1) भूमिप्रगस्य | (2) सोमसुतरस्य |
| (3) मन्दस्य | (4) छायाग्रहस्य |
67. छायाग्रहौ कौ :
- | | |
|---------------|-----------------|
| (1) बुधसूर्यौ | (2) राहुकेतू |
| (3) शनिभौमौ | (4) चन्द्रार्कौ |
68. भूगोलः कुत्र तिष्ठति ?
- | | |
|--------------|-----------|
| (1) जले | (2) वायौ |
| (3) व्योम्नि | (4) अग्नौ |
69. मीने मेषे ऋतुः भवति :
- | | |
|--------------|------------|
| (1) ग्रीष्मः | (2) वसन्तः |
| (3) वर्षा | (4) शरद् |
70. कल्याणवर्मणा विरचिता :
- | | |
|----------------|----------------|
| (1) सारावली | (2) गोलपरिभाषा |
| (3) लघुपाराशरी | (4) मणिमाला |
71. स्वोच्चे ग्रहः भवति :
- | | |
|-------------|------------|
| (1) स्वस्थः | (2) पीडितः |
| (3) भीतः | (4) दीप्तः |

72. स्वस्थः ग्रहो भवति :

- | | |
|-------------|-----------|
| (1) स्वगृहे | (2) नीचे |
| (3) मित्रे | (4) उच्चे |

73. स्वगृहे बलम् भवति :

- | | |
|----------|-----------|
| (1) 10 | (2) 30 |
| (3) 7-30 | (4) 15-00 |

74. अधीष्टमे बलम् भवति :

- | | |
|-----------|----------|
| (1) 22-30 | (2) 30 |
| (3) 7-30 | (4) 3-45 |

75. सूर्यस्य परमोच्चम् भवति :

- | | |
|----------------|----------------|
| (1) विंशत्यंशे | (2) दशांशे |
| (3) पञ्चांशे | (4) प्रथमेऽंशे |

76. महाभूतानि भवन्ति :

- | | |
|---------|------------|
| (1) षट् | (2) पञ्च |
| (3) दश | (4) त्रीणि |

77. श्रीनीलकण्ठेन विरचितम् :

- | | |
|---------------------|-------------------|
| (1) प्रश्नशास्त्रम् | (2) वर्षशास्त्रम् |
| (3) ताजिकम् | (4) जातकम् |

18P/253/24

78. लङ्कादिकृष्णासरिदन्तभागः भवति :

- | | |
|--------------|---------------|
| (1) शनेः | (2) भौमस्य |
| (3) सूर्यस्य | (4) चन्द्रस्य |

79. सूर्यस्य दीप्तांशाः भवन्ति -

- | | |
|---------------|---------------|
| (1) तिथिमिताः | (2) अर्कमिताः |
| (3) अष्ट | (4) नगमिताः |

80. सूर्यस्य हर्षपदम् किम् :

- | | |
|-----------|-----------|
| (1) त्रि | (2) षट् |
| (3) लग्नः | (4) नन्दः |

81. प्रथमवर्षे ग्रन्था भवति :

- | | |
|---------------|----------------|
| (1) जन्मलग्ने | (2) चतुर्थभावे |
| (3) सप्तमे | (4) दशमे |

82. त्रिराशिपतिः गण्यते :

- | | |
|-------------------|-------------------|
| (1) अष्टाधिकारिषु | (2) पञ्चाधिकारिषु |
| (3) मारकेषु | (4) योगकारकेषु |

83. नवपञ्चमे दृष्टिः भवति :

- | | |
|--------------|-------------------------|
| (1) अरिष्टदा | (2) प्रत्यक्षतः स्नेहदा |
| (3) भाग्यदा | (4) अरिष्टभंगदा |

84. सर्वे ग्रहाः पश्यन्ति :

- | | |
|-------------|---------------|
| (1) प्रथमम् | (2) द्वितीयम् |
| (3) तृतीयम् | (4) सप्तमम् |

85. पापदृष्टः षष्ठेऽष्टमे चन्द्रः भवति :

- | | |
|-----------------|----------------|
| (1) सद्यो मरणाय | (2) दीर्घायुषे |
| (3) भाग्यदः | (4) राज्यदः |

86. तृतीयदशमे पूर्णदृष्टिः भवति :

- | | |
|-----------|------------|
| (1) गुरोः | (2) भौमस्य |
| (3) शनेः | (4) राहोः |

87. अङ्गारकस्य पूर्णदृष्टिः भवति :

- | | |
|------------|------------|
| (1) तृतीये | (2) अष्टमे |
| (3) नवमे | (4) दशमे |

88. सर्वेषाम् त्रिचरणदृष्टिः भवति :

- | | |
|------------|------------|
| (1) अष्टमे | (2) नवमे |
| (3) दशमे | (4) पञ्चमे |

89. 'जु जे जो खा' कस्य नक्षत्रस्य चरणाक्षराणि :

- | | |
|--------------|--------------|
| (1) मूलस्य | (2) पुष्यस्य |
| (3) अभिजिताः | (4) रेवत्याः |

90. विश्वात्मा ग्रहः कः

- | | |
|-------------|------------------|
| (1) दिवाकरः | (2) कुमुदवान्धवः |
| (3) कुजः | (4) देवेज्यः |

91. 'विडौजः' कस्य ग्रहस्य देवः ?

- | | |
|------------|------------|
| (1) भौमस्य | (2) बुधस्य |
| (3) गुरोः | (4) शनेः |

92. क्लीबौ ग्रहौ कौ :

- | | |
|---------------|---------------|
| (1) सौम्यसौरी | (2) गुरुकुजौ |
| (3) राहुकेतू | (4) सूर्याकीं |

93. वैश्यवर्णौ ग्रहौ कौ :

- | | |
|----------------|---------------|
| (1) गुरुशुक्रौ | (2) कुजाकीं |
| (3) शशिसौम्यौ | (4) भारनुभौमौ |

94. मधुररसः कस्य ग्रहस्य वर्तते :

- | | |
|--------------|------------|
| (1) गुरोः | (2) भौमस्य |
| (3) सूर्यस्य | (4) शनेः |

95. क्षीरोपेतान् वृक्षान् को ग्रहः जनयति :

- | | |
|----------------|----------|
| (1) तुहिनकिरणः | (2) रविः |
| (3) धरासुतः | (4) कविः |

96. वसन्तर्तोः अधिपतिः कः ग्रहः

- | | |
|-----------|-------------|
| (1) भृगुः | (2) कुजः |
| (3) भानुः | (4) चन्द्रः |

97. ग्रहेषु को ग्रहः वृद्धः

- | | |
|-----------|-------------|
| (1) गुरुः | (2) भौमः |
| (3) शनिः | (4) चन्द्रः |

98. पीताम्बरम् कस्य ग्रहस्य वर्तते :

- | | |
|------------|---------------|
| (1) भृगोः | (2) भास्करस्य |
| (3) इन्दोः | (4) गुरोः |

99. 'नखाः' अंशाः कस्य ग्रहस्य परमनीचभागाः

- | | |
|------------|-----------|
| (1) रवेः | (2) शनेः |
| (3) बुधस्य | (4) गुरोः |

100. शिखि स्वर्भानुमन्दानाम् कीदृशं स्थानम् भवति :

- | | |
|----------------|--------------|
| (1) छिद्रयुतम् | (2) मन्दिरम् |
| (3) जलाशयम् | (4) वल्मीकम् |

101. तनुपः केन्द्रकोणस्थः किम् करोति ?

- | | |
|-------------------|------------------|
| (1) तनुसौख्यम् | (2) धनसौख्यम् |
| (3) भ्रातृसौख्यम् | (4) भाग्यसौख्यम् |

18P/253/24

102. लग्ने प्रथमद्रेष्काणगते लग्नम् भवति :

- | | |
|-----------|-------------|
| (1) कर्णः | (2) नासिका |
| (3) पादः | (4) शीर्षम् |

103. द्वितीयद्रेष्काणगते लग्ने लग्नम् भवति :

- | | |
|------------|-------------|
| (1) कण्ठम् | (2) शीर्षम् |
| (3) मुखम् | (4) नाभिः |

104. तृतीयद्रेष्काणगते लग्ने लग्नम् भवति :

- | | |
|-------------|-------------|
| (1) शीर्षम् | (2) वस्तिः |
| (3) मुखम् | (4) नेत्रम् |

105. नेत्रेशे बलसंयुक्ते नरः भवति :

- | | |
|---------------|-----------------|
| (1) शोभनाक्षः | (2) अन्धः |
| (3) काणः | (4) रात्र्यन्धः |

106. सहजस्थानगतः को ग्रहः अग्रजं हन्ति ?

- | | |
|-------------|------------|
| (1) मन्दः | (2) भूमिजः |
| (3) दिनकृत् | (4) गुरुः |

107. वाहनविचारः कस्मात् भावात् क्रियते :

- | | |
|--------------|----------------|
| (1) लग्नात् | (2) द्वितीयात् |
| (3) पञ्चमान् | (4) चतुर्थात् |

108. षष्ठाष्टमव्ययगते सुतेशे किम् भवति ?

- | | |
|-----------------|-----------------|
| (1) अपुत्रता | (2) सुपुत्रता |
| (3) पुत्रद्वयम् | (4) पुत्रत्रयम् |

109. लग्नेशेबुधे भौमे वा चन्द्रराहुशनियुते रोगः भवति :

- | | |
|-------------|--------------|
| (1) क्षयः | (2) पाण्डुः |
| (3) कुष्ठम् | (4) कर्करोगः |

110. चरराशौ वर्गोत्तमनवांशः भवति :

- | | |
|------------|------------|
| (1) प्रथमः | (2) सप्तमः |
| (3) नवमः | (4) पञ्चमः |

111. 'रन्ध्रेशे रन्ध्रराशिस्थे चन्द्रे पाप समन्विते शुभैरदृष्टिं' जातस्य कदा मृत्यु ?

- | | |
|---------------|--------------|
| (1) वर्षान्ते | (2) मासान्ते |
| (3) पथान्ते | (4) दिनान्ते |

112. "गुरुणा संयुते भाग्ये तदीशे केन्द्रराशिगे" कदा बहुभाग्यम् विनिर्दिशेत् ?

- | | |
|------------------------|---------------|
| (1) विंशति वर्षात्परम् | (2) वार्धक्ये |
| (3) शैशवै | (4) कौमारे |

113. केन्द्रस्थानानि कानि ?

- | | |
|--------------|-------------|
| (1) 1-4-7-10 | (2) 2-4-8-9 |
| (3) 5-7-12 | (4) 6-8-12 |

114. पगफर स्थानानि कानि :

- | | |
|--------------|-------------|
| (1) 1-4-7-10 | (2) 2-5-8-9 |
| (3) 4-7-8 | (4) 1-5-9 |

18P/253/24

115. आपोक्लिम-स्थानानि कानि ?

- | | |
|--------------|-------------|
| (1) 1-4-7-10 | (2) 2-5-8-9 |
| (3) 3-6-9-12 | (4) 1-5-9 |

116. 'कर्मेशे लग्नभावस्थे लग्नेशेन समन्विते केन्द्रत्रिकोणगे चन्द्रे' किम् फलम् ?

- | | |
|------------------|-------------------|
| (1) कुकर्मरतः | (2) सत्कर्मनिरतः |
| (3) रत्नवान् नरः | (4) ज्ञानार्थवान् |

117. धैर्यस्थानम् किम् ?

- | | |
|-----------------|----------------|
| (1) तृतीयम् | (2) लाभस्थानम् |
| (3) षष्ठस्थानम् | (4) व्ययभावः |

118. 'धैर्येशे लाभराशिस्थे लाभेशे भ्रान्तसंस्थिते' कस्मात् धनप्राप्ति ?

- | | |
|-----------------|------------------|
| (1) सप्तमभावात् | (2) भ्रातृभावात् |
| (3) मातृभावात् | (4) पितृभावात् |

119. लग्नात् सप्तमपर्यन्तम् भवति :

- | | |
|--------------------|---------------------|
| (1) दृश्यचक्रार्धः | (2) अदृश्यचक्रार्धः |
| (3) उत्तरगोलः | (4) दक्षिणगोलः |

120. 'लग्नेशे व्यय राशिस्थे व्ययेशे लग्नसंयुते भृगुपुत्रेण संयुक्ते' व्ययः कथम् भवति ?

- | | |
|----------------|----------------|
| (1) पापमूलात् | (2) धर्ममूलात् |
| (3) राजदण्डात् | (4) सुखसाधनात् |

18P/253/24

ROUGH WORK
रफ़ कार्य

अभ्यर्थियों के लिए निर्देश

(इस पुस्तिका के प्रथम आवरण पृष्ठ पर तथा उत्तर-पत्र के दोनों पृष्ठों पर केवल नीली/काली बाल-प्वाइंट पेन से ही लिखें)

1. प्रश्न पुस्तिका मिलने के 30 मिनट के अन्दर ही देख लें कि प्रश्नपत्र में सभी पृष्ठ मौजूद हैं और कोई प्रश्न छूटा नहीं है। पुस्तिका दोषयुक्त पाये जाने पर इसकी सूचना तत्काल कक्ष-निरीक्षक को देकर सम्पूर्ण प्रश्नपत्र की दूसरी पुस्तिका प्राप्त कर लें।
2. परीक्षा भवन में प्रवेश-पत्र के अतिरिक्त, लिखा या सादा कोई भी खुला कागज साथ में न लायें।
3. ओ.एम.आर. उत्तर-पत्र अलग से दिया गया है। इसे न तो मोड़ें और न ही विकृत करें। दूसरा ओ.एम.आर. उत्तर-पत्र नहीं दिया जायेगा। केवल ओ.एम.आर. उत्तर-पत्र का ही मूल्यांकन किया जायेगा।
4. सभी प्रविष्टियाँ प्रथम आवरण-पृष्ठ पर नीली/काली पेन से निर्धारित स्थान पर लिखें।
5. ओ० एम० आर० उत्तर-पत्र के प्रथम पृष्ठ पर पेन से अपना अनुक्रमांक निर्धारित स्थान पर लिखें तथा नीचे दिये वृत्तों को गाढ़ा कर दें। जहाँ-जहाँ आवश्यक हो वहाँ प्रश्न-पुस्तिका का क्रमांक, केन्द्र कोड नम्बर तथा सेट का नम्बर उचित स्थानों पर लिखें।
6. ओ० एम० आर० उत्तर पत्र पर अनुक्रमांक संख्या, प्रश्नपुस्तिका संख्या व सेट संख्या (यदि कोई हो) तथा प्रश्नपुस्तिका पर अनुक्रमांक और ओ० एम० आर० उत्तर पत्र संख्या की प्रविष्टियों में उपरिलेखन की अनुमति नहीं है।
7. उपर्युक्त प्रविष्टियों में कोई भी परिवर्तन कक्ष निरीक्षक द्वारा प्रमाणित होना चाहिये अन्यथा यह एक अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।
8. प्रश्न-पुस्तिका में प्रत्येक प्रश्न के चार वैकल्पिक उत्तर दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के वैकल्पिक उत्तर के लिए आपको ओ० एम० आर० उत्तर-पत्र की सम्बन्धित पंक्ति के सामने दिये गये वृत्त को उत्तर-पत्र के प्रथम पृष्ठ पर दिये गये निर्देशों के अनुसार पेन से गाढ़ा करना है।
9. प्रत्येक प्रश्न के उत्तर के लिए केवल एक ही वृत्त को गाढ़ा करें। एक से अधिक वृत्तों को गाढ़ा करने पर अथवा एक वृत्त को अपूर्ण भरने पर वह उत्तर गलत माना जायेगा।
10. ध्यान दें कि एक बार स्याही द्वारा अंकित उत्तर बदला नहीं जा सकता है। यदि आप किसी प्रश्न का उत्तर नहीं देना चाहते हैं, तो संबंधित पंक्ति के सामने दिये गये सभी वृत्तों को खाली छोड़ दें। ऐसे प्रश्नों पर शून्य अंक दिये जायेंगे।
11. रफ कार्य के लिए प्रश्न-पुस्तिका के मुखपृष्ठ के अंदर वाला पृष्ठ तथा उत्तर-पुस्तिका के अंतिम पृष्ठ का प्रयोग करें।
12. परीक्षा की समाप्ति के बाद अभ्यर्थी अपना ओ.एम.आर. उत्तर-पत्र परीक्षा कक्ष/हाल में कक्ष निरीक्षक को सौंप दे। अभ्यर्थी अपने साथ प्रश्न पुस्तिका तथा ओ.एम.आर. उत्तर-पत्र की प्रति ले जा सकते हैं।
13. अभ्यर्थी को परीक्षा समाप्त होने से पहले परीक्षा भवन से बाहर जाने की अनुमति नहीं होगी।
14. यदि कोई अभ्यर्थी परीक्षा में अनुचित साधनों का प्रयोग करता है, तो वह विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित दंड का/की, भागी होगा/होगी।